पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

आचार्य नरेन्द्र देव के जीवन, आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरणा लें

---- राज्यपाल

लखनऊः 31 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति व्याख्यान में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य नरेन्द्र देव समाजवादी विचारधारा के पितामह थे। वे शिक्षा को जीवन के लिये बहुत ही जरूरी समझते थे। इसलिये उन्होंने अध्ययन-अध्यापन के कार्य को अपने जीवन का अंग बनाया। उन्होंने एक समर्पित शिक्षक की भांति सदैव अपने दायित्वों का निर्वहन किया। छात्रों को भी उनका सदा स्नेह प्राप्त रहा। वे अपने वेतन का पचास प्रतिशत भाग गरीब छात्रों की शिक्षा पर व्यय करते थे।

राज्यपाल ने कहा कि आचार्य नरेन्द्र देव जी ने काशी विद्यापीठ के अध्यापक, आचार्य और कुलपति तक के पदों को सुशोभित करते हुए अपनी विद्वता और उदारता का जो अनुकरणीय उदाहरण पेश किया, उससे युवा पीढ़ी सदैव प्रेरणा प्राप्त करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आचार्य जी ने न केवल भारतीय परम्पराओं को आधारभूमि प्रदान की, बल्कि उन्हें वर्तमान युग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने का भी कार्य किया।

श्री नाईक ने कहा कि आचार्य जी ने गृहस्थ, नौकरी तथा समाजसेवा के तीनों दायित्वों का एक साथ निर्वहन किया। उनके आचार-विचार में कोई अन्तर नहीं था। उनका मानना था कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है। उनके व्यवहार में नम्रता थी। उन्होंने कहा कि आचार्य जी यह भली-भांति जानते थे कि देश में कैसी शिक्षा प्रणाली लागू की जाय और समाज का प्रबंधन कैसे किया जाय। उन्होंने कहा कि सभी को आचार्य नरेन्द्र देव के जीवन, आदर्शों और सिद्वान्तों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, डा0 एस0बी0 निम्से, उपकुलपति प्रो0 ए0के0सेन गुप्ता, आचार्य नरेन्द्र देव के पुत्र, श्री हर्षवर्द्धन देव सहित अनेक छात्र-छात्राएं तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय प्रांगण में स्थापित आचार्य नरेन्द्र देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

इससे पूर्व राज्यपाल ने मोती महल के पीछे स्थित आचार्य नरेन्द्र देव की समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की।

आचार्य नरेन्द्र
स्मृति व्याख्यान
2014
लखनऊ विश्वविद्यालय,

डा० आचार्य नरेन्द्र देव
स्मृति व्याख्यान
2014
मालवीय सभागार
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
CHEMISTRY